THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) Central Government has so far released about Rs. 75 crores for Rural Development Programme in the State of J&K against the allocation of Rs. 175 crores for the year 1995-96.

(b) to (d) The Central assistance for rural development is released with a view to have an equitable development in the State with particular emphasis on accelerated development of the backward districts and blocks. For this purpose, the Jawahar Rozgar Yojna Scheme has been intensified in two districts of Jammu and the Employment Assurance scheme (EAS) is in operation in 80 blocks out of the 119 blocks in the State. Besides, this, two districts each of Jammu and Ladakh are covered under Draught Prone Areas Programme (DPAP and Desert Development Programme (DDP) respectively. Position regarding progress, performance and problems, if any, in implementation of Rural Development Programmes in the State are being reviewed regarding with the State/District officials with a view to achieve the targets fixed for the State.

Killings in Jammu and Kashmir

2406. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:
SHRI ANANT RAM JAISWAL:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the number of persons/officials, non-officials, security personnel killed by different organisations of militants in different ways in Jammu and Kashmir Valley during past two months;

(b) the number of tourists (domestic and western separately) abducted so far by the different organisations of militants and how many of them were later killed and freed separately in the Valley during the period; and

(c) the future course of action being taken/proposed to be taken to curb killings of innocent people/tourists and to bring normaly in the Valley?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) According to the information available, 598 persons including 289 civilians, 261 militants and 48 security forces personnel were killed in terrorist violence in Jammu & Kashmir during the last two months viz. June and July, 1995.

(b) 137 persons, including 6 Western tourists were abducted by the militants in Jammu & Kashmir during the above period. Out of them 24 (including a Norwegian tourist) were killed by the militants, one (a US National) escaped and five (including 4 Western tourists) are still in the captivity of the militants, while the rest were released by them.

(c) Elaborate security arrangements have been made by the State Government in various parts of the State with a view to containing terrorist activities. Tourists are being suitably advised by the State Government to refrain from going into far flung and isolated areas which could be vulnerable to such activities, despite the security arrangements. In addition to continuing operations by the Security Forces to flush out militants and contain their activities, Patrolling in the sensitive areas as well as tourist destinations in the Valley has been intensified, and pickets of the Security Forces have been established to check occurrence of such incidents.

दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी क्षेत्र में हैजा तथा आंत्रशोथ का प्रकोप

2407. **श्री सोमपाल:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी क्षेत्र में हाल ही में फैले हैजे तथा आंत्रशोथ के कारणों का पता लगाने के लिए कोई प्रयास किये हैं;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम सामने आये हैं;

(ग) ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार ने क्या व्यवस्था की है;

(घ) क्या सरकार द्वारा पेय जल की शुद्धता की जांच करने तथा उसे रोगाणुमुक्त रखने के लिए उपभोक्ता स्तर पर कोई नियमित जांच कराई गई है;

(ङ) यदि हां, तो उसकी सुनिश्चितता और बारंबारता कितनी है; और

(च) यदि इस समय इस प्रकार की नियमित परीक्षण व्यवस्था नहीं है तो क्या सरकार ऐसी व्यवस्था का प्रबंध करने का विचार रखती है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० सी० सिल्वेरा): (क) और (ख) राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान तथा स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकारियों के एक दल ने पानी की गुणवंता की विस्तृत जांच की, वहां रहने वाले लोगों से सम्पर्क किया। ओ आर एस, क्लोरीन की गोलियों की सप्लाई तथा टैंकरों के जरिए पीने के पानी की सप्लाई के उपाय शुरू किए गए तथा स्थिति पर नियंत्रण पाया गया।

(ग) इन रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा आमतौर पर किए जाने वाले उपाय हैं:—

1. पीने के साफ पानी की व्यवस्था
2. भोजन तथा व्यक्तिगत स्वच्छता में सुधार
3. मानव मल का सही ढंग से निपटान
4. उपयुक्त स्वास्थ्य शिक्षा
5. निगरानी तथा मॉनीटरिंग
6. क्लोरीन गोलियों तथा ओ आर एस पैकेट वितरित करना।

(घ) से (च): हैजे के मामलों पर नियंत्रण रखने के विशिष्ट उपायों के अन्तर्गत दिल्ली नगर निगम के जानपदिकरोग विज्ञानियों के शुद्धता की जांच करने के लिए उपभोक्ता स्तर पर पानी के स्रोतों से पानी के नमूने लिए।

बड़े उद्योगों द्वारा नालीदार डिब्बों का निर्माण

2408. **श्रीमती सुषमा स्वाराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नालीदार डिब्बों के निर्माण का क्षेत्र लघु उद्योग के लिए आरक्षित है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि सरकार ने हाल ही में कतिपय बड़े उद्योगों का इस कार्य को करने की अनुमति प्रदान की है;

(ग) यदि हां, तो उन बड़े उद्योगों के नाम क्या हैं और उनकी उत्पादन क्षमता क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि लघु उद्योगों के लिए आरक्षित उपर्युक्त निर्माण कार्य में इन बड़े उद्योगों के प्रवेश से लघु उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा; और

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम): (क) जी, हां।

(ख) और (ग): ब्यौरे विवरण में दिये गये हैं।

(घ) और (ङ) उत्पादन के इस क्षेत्र में बड़े उद्योगों के प्रवेश से लघु उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव संबंधी अभ्यावेदन प्राप्त हुये हैं। दि फेडरेशन ऑफ कोरुगेटिड बॉक्स मनुफेक्चरर्स ऑफ इंडिया ने इस संबंध में उच्च न्यायालय में दो सिविल रिट याचिकायें भी दायर की हैं। मामला न्यायाधीन है।